बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने राज्य के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा और भूस्खलन के मद्देनज़र अधिकारियों को तत्काल **"संवेदनशील" गाँवों की पहचान करने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित** करने का निर्देश दिया।

मुख्य बिंदु

- अधिकारियों के मुताबिक, **पौड़ी गढ़वाल के तोली, बोध केदार और टिहरी गढ़वाल के जखाना तथा तनिगढ़ में बादल फटने से भारी तबाही हुई।**
- **आपदा प्रभावित क्षेत्र में विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था सुचारु करने के लिये कार्यवाही की जा रही** है तथा पशु हानि के लिये **पशुधन पालकों को 57,500 रुपए की धनराशि भी दी गई है।**

बादल फटना

- **परिचय:**
  - बादल फटना **एक छोटे से क्षेत्र में अल्पकालिक, तीव्र वर्षा की घटनाएँ हैं**
  - यह एक मौसमी घटना है जिसमें लगभग **20-30 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्र में 100 मि.मी./घंटा से अधिक अप्रत्याशित वर्षा होती है**
  - भारतीय उपमहाद्वीप में यह आमतौर पर तब होता है जब **मानसून का बादल बंगाल की खाड़ी या अरब सागर से उत्तर की ओर** मैदानी इलाकों से होते हुए हिमालय की ओर बढ़ता है और कभी-कभी प्रति घंटे 75 मिलीमीटर वर्षा लाता है।
- **घटना:**
  - **सापेक्ष आर्द्रता और बादल आवरण अधिकतम स्तर पर होता है, तापमान कम होता है तथा हवाएँ धीमी होती हैं,** जिसके कारण बहुत अधिक मात्रा में बादल बहुत तेज़ी से संघनित हो सकते हैं एवं बादल फटने का कारण बन सकते हैं
  - **जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वातावरण में अधिक से अधिक नमी बनी रहती है और यह नमी बहुत कम समय के लिये बहुत तीव्र वर्षा के रूप में नीचे आती है,** जो शायद आधे घंटे या एक घंटे की होती है, जिसके परिणामस्वरूप पहाड़ी क्षेत्रों एवं शहरों में बाढ़ आती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/survey-of-flood-affected-areas